गन्ना कृषक माह दिसम्बर में क्या करें!

1– खड़ी गन्ना फसलों में नमी बनाये रखने हेतु आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

2– अन्तः फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई के बाद उर्वरक का प्रयोग करें।

3– दिसम्बर–जनवरी माह में कटे बावग गन्ने की पेड़ी में अपेक्षाकृत कम फुटाव होता है। सिंचाई के उपरान्त ओट आने पर 10 टन/है0 ताजा प्रेसमड डालकर गुड़ाई करें इससे फुटाव अच्छा व शीघ्र होगा।

4– शरद्कालीन पेड़ीमें अन्तः फसल (लहसुन तथा प्याज) लेने पर भी अपेक्षाकृत अच्छी उपज प्राप्त होती है।

5– चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति करते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि गन्ना साफ–सुथरा हो तथा कटाई के उपरान्त शीघ्र चीनी मिल पहुॅच जाये।

6– अन्तः फसल के रूप में मटर की फली तोड़ने के बाद उसके अवशेषों को मृदा में दबा दें ताकि वह सड़कर हरी खाद का काम करे।

7– पाला प्रभावित क्षेत्रों में बावग व पेड़ी गन्ना में सिंचाई करें ताकि पाला का प्रभाव कम हो सके।

गन्ना बोकर जश्न मनाओ। जीवन में 'मिठास' ले आओ।।